राजयोग शिक्षिकाओं ने की गहन साधना

शांतिवन। चार दिवसीय 'स्व उन्नति साधना शिविर' के कार्यक्रम में देश भर से ब्रह्माकुमारी सेवाकेन्द्रों की राजयोग शिक्षिकाओं ने शांतिवन में की गहन राजयोग साधना। इस मौके पर संयुक्त प्रशासिका दादी रतनमोहिनी सहित वरिष्ठ राजयोगिनी बहनों ने किया मार्गदर्शन।

'रेज्युवनेट-इन्नोवेट-इन्टेग्रेट...' विषय पर सफल सम्मेलन

अध्यात्म के बिना विज्ञान अधूरा

ब्र.कु. आशा, ब्र.कु. अंबिका व ब्र.कु. मृत्युंजय के साथ दीप प्रज्वलित करते आमंत्रित महानुभाव।

ज्ञानसरोवर। ब्रह्माकुमारीज़ के स्पार्क विंग द्वारा अध्यात्मविदों के लिए आयोजित चार दिवसीय सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए नीति आयोग सदस्य,जे.एन.यू. कुलपति पद्मविभूषण डॉ. वी.के. सारस्वत ने कहा कि विज्ञान व अध्यात्म एक दूसरे के पूरक हैं। विज्ञान भौतिक जगत में सत्य पर विचार करता है, जबकि आध्यात्मिकता हमारे मनोभावों व विचारों पर शोध करती है।

प्रशासक प्रभाग की अध्यक्षा ब्र.कु. आशा ने कहा कि आध्यात्मिकता के विज्ञान को समझना अति आवश्यक है। आत्मानुभूति के बाद ही मनोवैज्ञानिक तरीके से जीवन मूल्यों का विकास होने लगता है। भौतिकता व आध्यात्मिकता को एक दूसरे से अलग नहीं किया जा सकता है।

डी.आर.डी.ओ. अधिकारी डॉ. सुशील चंद्र ने राजयोग के विभिन्न विषयों पर किए गए अनुसंधान की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि राजयोग के माध्यम से विभिन्न उपेक्षाकृत परिस्थितियों में भी मानसिक स्थिति को स्थिर रखा रखा जा सकता है। सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता प्रो. डॉ. रमेश गौतम ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संगठन की ओर से प्रशिक्षित राजयोग में भारतीय प्राचीन संस्कृति झलकती है। ये भारत का प्रसिद्ध प्राचीन राजयोग है।

प्रभाग की अध्यक्षा ब्र.कु. अंबिका ने कहा कि ईश्वरीय ज्ञान को जीवन में आत्मसात करने के लिए अध्यात्म के सिद्धान्तों के अनुरूप स्वयं के संकल्प, बोल व कर्म को अनुशासित करना होगा।

संगठन के शिक्षा प्रभाग अध्यक्ष ब्र.कु. मृत्युंजय ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संगठन की ओर से विश्वविद्यालयों व कॉलेजेस में थॉट लाईब्रेरी की स्थापना की जा रही है। जहाँ आध्यात्मिकता के विभिन्न विषयों पर अनुसंधान किये जायेंगे।

डॉ. जयश्री ने कहा कि मन में सकारात्मक ऊर्जा मौजूद है, लेकिन उसका बेहतर तरीके से सदुपयोग नहीं करने से मन में उलझन की स्थिति बनी रहती है। ग्यारह वर्षीय सोशल इनोवेटर हिमांग ने कहा कि अध्यात्म से हमारी सकारात्मक सोच सुदृढ़ होती है, जिससे नये एवं संतुलित आविष्कार करने में मदद मिलती है। जिसकी बदौलत मैंने रोबोटिक्स से शुरुआत कर राष्ट्रीय स्तर पर चैम्पियन बनने तक ही यात्रा को सहजतापूर्वक तय किया।

कैंसरवाइव मलेशिया द्वारा 'द हीलिंग माइंड' कार्यक्रम का आयोजन

मलेशिया-पेटालिंग जाया।

कैंसरवाइव मलेशिया द्वारा 'द हीलिंग माइंड -इमोशनल इंटेलीजेंस टू हील योर हार्ट एंड हेड' विषय पर आयोजित टॉक शो में ब.कु. डॉ. गिरीश पटेल,मुम्बई,इंडिया ने बताया कि किस तरह अपने मन को प्रशिक्षित करने से हम अपने शरीर द्वारा स्वस्थ और सम्पूर्ण रूप से कार्य ले सकते हैं। कैंसर तथा अन्य बीमारियों के दौरान भी हम कैसे अपने स्ट्रेस और इमोशनल डिस्टर्बेन्स को मैनेज कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि (थ्री एफ-फेस इट, फुलफिल इट, फ्री इट) के द्वारा बीमारियों की रोकथाम की जा सकती है। उन्होंने कहा कि बीमारियों को कंट्रोल करने के लिए अपनी लाइफ स्टाइल में जो परिवर्तन आवश्यक हों, उसे अवश्य करें। मरीजों के साथ सहानुभूति से पेश आएं, विशेष रूप से केयर गीवर्स और केयर टेकर्स। कार्यक्रम में करीब अस्सी लोगों ने भाग लिया तथा डॉ. पटेल की बातों को ध्यानपूर्वक सुनते हुए उसकी महत्ता को जान अपने जीवन में लागू करने का निर्णय लिया।

स्ट्रेस व इमोशनल डिस्टर्बेन्स को मैनेज करने की विधि बताते हुए डॉ. गिरीश पटेल।

मुख्यमंत्री ने ली ईश्वरीय सेवाओं की जानकारी

ब्रह्माकुमारी विजयलक्ष्मी ने संस्थान द्वारा की जा रही सेवाओं से कराया अवगत

डूंगरपुर-राज.।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के समाज सेवा प्रभाग द्वारा की जा रही सेवाओं की माननीय मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे ने ली जानकारी।

राज्य सरकार की ओर से डूंगरपुर में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री श्रीमती राजे ने ब्रह्माकुमारी संगठन की डूंगरपुर सेवाकेंद्र प्रभारी ब्र.कु. विजयलक्ष्मी को मंच पर आमंत्रित कर संगठन की ओर से की जा रही सेवाओं की जानकारी चाही। जिस पर ब्रह्माकुमारी विजयलक्ष्मी ने भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, आध्यात्मिकता द्वारा महिलाओं का सशक्तिकरण, पौधारोपण, ज़रूरतमंदों को समय-समय पर मूलभूत सुविधायें मुहैया कराने, गाँव-गाँव में चिकित्सा शिविरों के ज़रिए मरीजों की सेवा, नशामुक्ति अभियान, बाढ़ पीड़ितों को मदद करने समेत विभिन्न सामाजिक सेवाओं की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। कार्यक्रम में स्वायत्त शासन मंत्री श्रीचंद कृपलानी, डूंगरपुर विधायक, रोटरी क्लब, लायंस क्लब, महावीर इंटरनेशनल क्लब, विश्व हिंदू परिषद, वनवासी कल्याण परिषद, भारत विकास परिषद, चेम्बर ऑफ कॉमर्स, पेंशनर्स समाज, गणमान्य वरिष्ठ नागरिकों समेत बड़ी संख्या में अधिकारीगण उपस्थित थे। इस अवसर पर समाजसेवा सदस्य ब्र.कु. विजयलक्ष्मी, ब्र.कु. महावीर, हेम सिंह आदि ने मुख्यमंत्री को ब्रह्माकुमारीज़ के अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय माउंट आबू में आने का भी निमंत्रण दिया।

मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के साथ ब्र.कु.विजयलक्ष्मी, मंत्री श्रीचंद कृपलानी, ब्र.कु. महावीर, हेम सिंह व अन्य।

हमारी गलत जीवनशैली बीमारियों का मुख्य कारण

कार्यक्रम के उद्घाटन पश्चात् ईश्वरीय स्मृति में कर्नल सती, प्रो. ई.वी.स्वामीनाथन, ब्र.कु. रीटा व अन्य।

उदयपुर-राज.। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित 'वाह ज़िन्दगी वाह' कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. प्रो. ई.वी. स्वामीनाथन ने अधिक बीमारियों का मुख्य कारण हमारी गलत जीवनशैली को बताया। उन्होंने स्पष्ट करते हुए कहा कि सुस्वास्थ्य के लिए अपनी जीवनशैली में नियमित व्यायाम, शुद्ध भोजन और राजयोग मेडिटेशन को शामिल करें। उन्होंने बताया कि जो भी व्यायाम करें, वह बहुत खुशी व आनंद के साथ करें, जिससे हमारा मस्तिष्क हैप्पी हॉर्मोन स्रावित करता है जो हमारे स्वास्थ्य को सही रखने में मदद करता है। उन्होंने आगे कहा कि जैसा हमारा अन्न होगा, वैसा ही हमारा मन होगा। तो अन्न का सीधा प्रभाव हमारे मन पर पड़ता है। साथ ही उन्होंने कहा कि भोजन बड़े प्यार और सकारात्मक विचारों के साथ करें, ना कि टीवी देखते हुए। अगर भोजन किसी दुःखित घटनाओं के विचार लिये करते हैं, तो भोजन से मिलने वाली शक्ति कम हो जाती है। जैसे शरीर को शक्तिशाली बनाने के लिए व्यायाम करते हैं, ऐसे ही मन को शक्तिशाली बनाने की विधि है राजयोग। राजयोग मेडिटेशन से हमारी एकाग्रता बढ़ती है और हम कोई भी कार्य कुशलता और सहजता से कर पाते हैं।

प्रो. स्वामीनाथन से डेमो के माध्यम से एकाग्रता की शक्ति के बारे में बताया। इस कार्यक्रम में करीब तीन सौ विद्यार्थियों ने भाग लिया। ब.कु. रीटा ने अंत में सभी का आभार व्यक्त किया।

द्वादश ज्योतिर्लिंगम के दर्शन करने उमड़े लोग

एक मास तक मिलेगा इस सुंदर एवं भव्य प्रदर्शनी का लाभ

देवघर-झारखण्ड। ब्रह्माकुमारी सेवाकेन्द्र द्वारा सरासनी खिजुरिया, कांबरिया पथ देवघर में आयोजित द्वादश ज्योतिर्लिंगम प्रदर्शनी का विधिवत उद्घाटन जनार्दन दास,संयुक्त आयुक्त,आयकर विभाग नई दिल्ली द्वारा किया गया। यह प्रदर्शनी पूरे श्रावण मास तक चलेगी। इस प्रदर्शनी में देश भर के ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के कई सेवाकेंद्रों की सहायता ली गई है। ब्रह्माकुमारी संस्था इस प्रदर्शनी से परमपिता शिव बाबा का यह संदेश देना चाहती है कि विश्व परिवर्तन का आधार सिर्फ और सिर्फ राजयोग है और परिवर्तन का समय अब है। विचारों को हम किस प्रकार बदलकर सारी सृष्टि पर स्वर्णिम युग ला सकते हैं ताकि यह पृथ्वी स्वर्ग बन जाये। जिसका आधार राजयोग है और इसका ज्ञान परमात्मा ने दिया है।

इस उद्घाटन के अवसर पर बड़ी संख्या में कांवरिया, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल सेवाकेंद्र समेत, स्थानीय सेवाकेन्द्र के भाई बहनें बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

उद्घाटन करते हुए जनार्दन दास,संयुक्त आयुक्त,आयकर विभाग एवं उनकी धर्मपत्नी प्रभा देवी, उमाशंकर चौबे,आयकर अधिकारी तथा ब्र.कु. भाई बहनें।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SRO/9623/18-20, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2018-20, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 12th Aug 2018
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं अमर उजाला प्रेस द्वारा मुद्रित।